मेजर जनरल राजेश कुमार झा नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (नीपको) के निदेशक (कार्मिक) हैं, जो एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और आप पूर्वोत्तर क्षेत्र एवं देश की प्रचुर बिजली क्षमता का दोहन करने के लिए विद्युत मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

परिणामोन्मुखी और सभी परिस्थितियों में सदाचार के मार्ग पर चलने का दृढ़ संकल्प एवं बड़े लक्ष्य पर नज़र रखने के साथ, 25 सितंबर, 2023 को नीपको में शामिल होने के बाद से मेजर जनरल राजेश कुमार झा मानव संसाधन विकास, व्यवसाय विकास, प्रसन्नता कि लब्धि को विकसित करना, संगठनात्मक संबद्धता और सकारात्मक कार्य वातावरण के लिए अभूतपूर्व पहल के माध्यम से कंपनी के कार्यनीतिक महत्व और विद्युत उत्पादन की मुख्यधारा के परिदृश्य में पहुंच को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

38 वर्षों से अधिक के शानदार करियर वाले भारतीय सेना के एक उच्च सम्मानित अधिकारी, जनरल झा के पास बड़ी संख्या में अद्वितीय और उत्कृष्ट पेशेवर कार्यभार हैं। रणनीति संचालन, ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स, आंतरिक सुरक्षा और देश की रणनीतिक संपत्तियों को संभालने में विशेषज्ञ, जनरल झा ने दिनांक 14 दिसंबर 1985 को यूनिफ़ोर्म फोर्स में अपनी यात्रा शुरू की और उन्हें बॉम्बे सैपर्स, कॉर्पस ऑफ इंजीनियर्स में नियुक्त किया गया।

आप यूनिफ़ोर्म फोर्स में एक कुशल योजनाकार, रणनीतिकार और कार्यान्वयनकर्ता के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने हमारे देश की रणनीतिक आवश्यकताओं से संबंधित नीतियों को तैयार करने और उन्हें लागू करने में सिद्ध सफलता हासिल की है। आप व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ एक गौरवशाली पैराट्रूपर, जिन्होनें 1988 में मालदीव और सिएरा लियोन (पश्चिम अफ्रीका) में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन जैसे बहु-सांस्कृतिक और प्रतिकूल वातावरण में सामरिक और रणनीतिक दोनों प्रकार के संचालन में निकटता से शामिल या हमारे देश की भूमि आधारित रणनीतिक संपत्तियों के कमांडर के रूप में, रणनीतिक और परिचालन महत्व की इकाइयों और पीएमओ और एमओडी के कार्यालयों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय रणनीतिक कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं। भारतीय सेना में विभिन्न रणनीतिक पोस्टिंग की अपनी महत्वपूर्ण यात्रा के रूप में, जनरल झा ने अपनी भूमिका को उल्लेखनीय प्रतिभा और समर्पण के साथ पूर्ण किया है जैसे कि:

- डोकलाम सेक्टर में ब्रिगेड सिक्किम की कमान
- संवेदनशील तवांग सेक्टर में अरुणाचल प्रदेश में डिवीजन की कमान।
- पूर्वोत्तर के सभी सात राज्यों को कवर करने वाले क्षेत्र के अतिरिक्त प्रभार के साथ गुवाहाटी में उप क्षेत्र के कमांडर
- भारत की भूमि आधारित सामरिक संपत्तियों के कमांडर

- ऑपरेशन विजय, कारगिल
- जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख में व्यापक अनुभव

सेवा के प्रारंभिक वर्षों में ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में डायरेक्टिंग स्टाफ के रूप में भारतीय सेना के भविष्य को रूप देने में सकारात्मक योगदान दिया। 2011 में लेह में प्राकृतिक आपदा से उत्पन्न रसद संबंधी भेद्यता पर काबू पाने में महत्वपूर्ण भागीदारी दी है।

आपको वर्ष 2014-2017 के दौरान भारतीय उच्चायोग, यूनाइटेड किंगडम में रक्षा और सैन्य सलाहकार होने का भी गौरव प्राप्त है। उत्कृष्ट संवाद कौशल और बेहतरीन संबंध स्थापना कौशल से संपन्न, भारतीय उच्चायोग में अपने कार्यकाल के दौरान आपने यह सुनिश्चित किया कि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहें।

सटीक वित्तीय योजना और बजट नियंत्रण के साथ-साथ डीपीएसयू, ओईएम, डीआरडीओ, एमओडी और पीएमओ के साथ जटिल बहु-एजेंसी लेनदेन द्वारा 20,000 करोड़ से अधिक की कार्यनीतिक परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक संभाला। सफलतापूर्वक अचूक सुरक्षा व्यवस्थाएं लागू की गईं और राष्ट्रीय कार्यनीतिक संपत्तियों, जवानों, सामग्री और संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

जटिल उच्च स्तरीय प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन विकास के साथ महत्वपूर्ण अवसंरचना वाली परियोजनाओं की योजना, समन्वय और निष्पादन में गहन भागीदारी द्वारा राष्ट्रीय सामरिक कार्यक्रम के हिस्से के रूप में क्षमता विकास में अनुभव।

देश के प्रतिष्ठित स्कूलों में से एक शेरवुड कॉलेज, नैनीताल के पूर्व छात्र जनरल झा ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी में अपने प्रारंभिक वर्षों में अपने नेतृत्व गुणों और कौशल को निखारा। अपनी पेशेवर यात्रा के दौरान, उन्होंने सभी अनिवार्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और नियुक्तियों को बहुत ही उत्कृष्टता के साथ पूरा किया। उनमें से प्रमुख हैं डीएसएससी वेलिंगटन से प्रतिष्ठित स्टाफ कोर्स, आर्मी वॉर कॉलेज, महू से हायर कमांड कोर्स और अंकारा, तुर्की में नाटो इंस्टीट्यूट में साइबर आतंकवाद विषयक पाठ्यक्रम।

अपनी व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं से परे, मेजर जनरल राजेश कुमार झा और श्रीमती अनुपमा झा विशेष रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र में बालिकाओं की भलाई और सामाजिक-मानवीय-आर्थिक विकास गतिविधियों के संबंध में बहुत भावुक हैं। राष्ट्र में असंतुलित लैंगिक विकास को ठीक करने के लिए एक मुखर प्रस्तावक,यह दम्पति बालिकाओं और वीर नारियों से संबंधित कल्याणकारी गतिविधियों में उत्सुकता से शामिल रहे हैं। एक योग्य रोल मॉडल दंपत्ति, मेजर जनरल और श्रीमती झा ने अपने दो बच्चों के अलावा मंजूश्री विद्यापीठ, तवांग से दो अनाथ बालिकाओं को भी गोद लिया है और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को

गति देते हुए बालिकाओं को प्यार भरा परिवार एवं एक बेहतर और सुरक्षित माहौल प्रदान किया है।

राष्ट्र के प्रति विशिष्ट एवं निस्वार्थ सेवा के लिए उन्हें अपने करियर के दौरान विभिन्न सम्मानों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिसमें सेनाध्यक्ष/सेना कमांडरों द्वारा आठ प्रशस्ति कार्ड और अरुणाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल से एक प्रशस्ति पत्र शामिल है।

उन्हें 26 जनवरी 2021 को भारत के सामरिक बल कमान के रखरखाव और संचालन में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'अति विशिष्ट सेवा पदक' (एवीएसएम) से सम्मानित किया गया।

उनके शानदार करियर की वर्तमान उपलब्धि में असाधारण सेवा हेतु दिनांक 26 जनवरी 2024 को दूसरी बार **'बार टू अति विशिष्ट सेवा पदक' (एवीएसएम)** से सम्मानित किया जाना शामिल है।